Today's Poem – 30.06.2014

याद और पढ़ाई से मिलेगा डबल ताज

और हम बन जाएँगे सरताज

बाप करते निष्काम सेवा

देते हमें सुख शांति का मेवा

दुःखधाम से बुद्धियोग निकाल बाप को याद करना

सतोप्रधान बनना

बाप समान प्रेम सुख शांति का सागर बनना

कर्म अकर्म विकर्म की गति को जान श्रेष्ठ कर्म करना

दिल और दिमाग का हो बैलेंस

जिससे बनेंगी लाइफ टेंशन – लेस

बेहद में रहना

हद्द की बातें को समाप्त करना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!